No. of Printed Pages : 8

EHI-03

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

Term-End Examination

December, 2019

16643

ELECTIVE COURSE : HISTORY

EHI-03 : INDIA FROM 8th CENTURY TO 15th CENTURY A.D.

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *This question paper has **three** sections. The students have to attempt any **two** questions in about **500** words each from **Section I**, any **four** questions in about **250** words each from **Section II** and any **two** short notes in about **100** words each from **Section III**. The marks are mentioned against each question.*

SECTION I

1. Define guilds. Critically examine the organisation and functions of guilds in early medieval India. *20*

2. Discuss the development of various styles of temple architecture in the early medieval period. *20*

3. What was the composition of the Turkish ruling class ? *20*

4. Highlight the traditions and forms of Jain and Chaurapanchasika styles of painting. *20*

SECTION II

5. What policies did the Turkish Sultans pursue to handle the Mongol challenge ? *12*

6. What was the nature of revenue administration of the Delhi Sultans ? *12*

7. Give a brief account of the *nayankara* and *ayagar* systems. *12*

8. Analyse the role of Afaqis and the Dakhanis in the decline of the Bahmani power with special reference to their conflict. *12*

9. Write a note on the emergence of regional kingdoms in the 14^{th} – 15^{th} centuries in north India. *12*

10. Discuss briefly the developments of Tughluq architecture. *12*

11. Do you agree with the view that the loss of official patronage led to the decline of Sanskrit language and literature during the Sultanate period ? *12*

12. Compare the lifestyles of the nobility and the masses in the Sultanate period. *12*

SECTION III

13. Write short notes on any ***two*** of the following in about 100 words each : *6+6=12*

(a) Hero-stones

(b) Emergence of Kayasthas as a new literate class in the early medieval period

(c) Alauddin Khalji's market control measures

(d) Slavery and Slave Trade

ई.एच.आई.-03

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2019

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : इतिहास

ई.एच.आई.-03 : भारत 8वीं सदी से 15वीं सदी ई. तक

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में **तीन** खण्ड हैं । विद्यार्थियों को **खण्ड I** में से कोई **दो** प्रश्न लगभग **500** शब्दों (प्रत्येक) में, **खण्ड II** में से कोई **चार** प्रश्न लगभग **250** शब्दों (प्रत्येक) में तथा **खण्ड III** में से कोई **दो** संक्षिप्त टिप्पणियाँ लगभग **100** शब्दों (प्रत्येक) में करने हैं । प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं ।*

खण्ड I

1. श्रेणी को परिभाषित कीजिए । प्रारम्भिक मध्यकाल भारत में श्रेणियों के संगठन तथा कार्यों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए । *20*

2. प्रारम्भिक मध्यकाल में विभिन्न मंदिर निर्माण (वास्तुकला) शैलियों के विकास की चर्चा कीजिए । *20*

3. तुर्की शासक वर्ग का संघटन क्या था ? *20*

4. चित्रकला की जैन तथा चौरपंचशिका शैलियों की परम्पराओं तथा रूपों पर प्रकाश डालिए । *20*

खण्ड II

5. मंगोल चुनौती का सामना करने के लिए तुर्की-सुल्तानों ने क्या नीतियाँ अपनायीं ? 12

6. दिल्ली सुल्तानों की राजस्व प्रशासन की प्रकृति क्या थी ? 12

7. *नायनकार* तथा *आयगर* प्रणालियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कीजिए । 12

8. अफीकियों तथा दक्खनियों के मध्य संघर्ष के विशेष संदर्भ में बहमनी राज्य के पतन में उनकी भूमिका का विश्लेषण कीजिए । 12

9. 14वीं से 15वीं शताब्दियों में उत्तर भारत में क्षेत्रीय राज्यों के उदय पर एक टिप्पणी लिखिए । 12

10. तुगलक वास्तुकला के विकास पर संक्षिप्त चर्चा कीजिए । 12

11. क्या आप इस मत से सहमत हैं कि सल्तनत काल में राजकीय संरक्षण के अभाव में संस्कृत भाषा तथा साहित्य का पतन हुआ ? 12

12. सल्तनत काल में कुलीन वर्ग तथा आम जनता की जीवन शैलियों का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए । 12

खण्ड III

13. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* पर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : *6+6=12*

(क) वीर-स्तम्भ

(ख) प्रारम्भिक मध्यकाल में एक नवीन शिक्षित वर्ग के रूप में कायस्थों का उदय

(ग) अलाउद्दीन खलजी के बाजार नियंत्रण उपाय

(घ) दास प्रथा तथा दास व्यापार